डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के **मुख्यमंत्री** ने **डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी** को उनकी पुण्यतिथि (24 जून) पर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा अखंड भारत के लिये उनके दृष्टिकोण और **अनुच्छेद 370** को समाप्त करने पर प्रकाश डाला।

मुख्य बिंदु

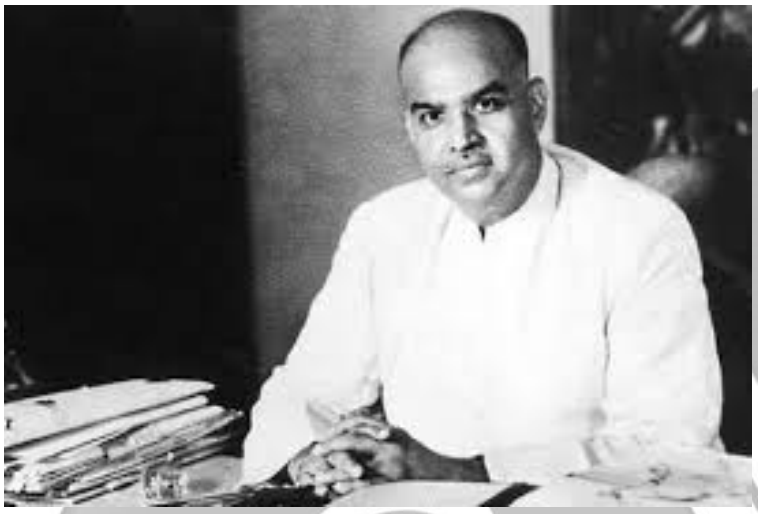

- **परिचय एवं उपलब्धियाँ:**
  - श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म **6 जुलाई, 1901** को **कलकत्ता** में एक बंगाली ब्राह्मण परिवार में हुआ था।
  - वह एक भारतीय **राजनीतिज्ञ, बैरिस्टर और शिक्षाविद** थे जिन्होंने **प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू** के मंत्रिमंडल में उद्योग और आपूर्ति मंत्री के रूप में कार्य किया।
  - उन्होंने वर्ष 1922 में **बंगाली पत्रिका "बंग वाणी"** और वर्ष 1940 में **द नेशनलिस्ट** की शुरुआत की।
  - श्यामा प्रसाद मुखर्जी 33 वर्ष की आयु में वर्ष 1934 में कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा **कुलपति** बने और वर्ष 1938 तक इस पद पर रहे।
- **स्वतंत्रता के बाद:**
  - वर्ष 1946 में उन्होंने **बंगाल विभाजन** का समर्थन किया ताकि इसके हिंदू-बहुल क्षेत्रों को मुस्लिम बहुल पूर्वी पाकिस्तान में शामिल होने से रोका जा सके।
  - वर्ष 1947 में उन्होंने **सुभाष चंद्र बोस** के भाई शरत बोस और बंगाली मुस्लिम राजनेता **हुसैन शहीद सुहरावर्दी** द्वारा प्रस्तावित **संयुक्त किंतु स्वतंत्र बंगाल** की असफल पहल का भी विरोध किया।
  - उन्होंने **भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)** के पूर्ववर्ती **भारतीय जनसंघ (BJS)** की स्थापना की और इसके पहले अध्यक्ष बने।
  - वह **अनुच्छेद 370** और बिना पूर्व अनुमति के **जम्मू-कश्मीर** में प्रवेश पर रोक लगाने वाले अन्य प्रतिबंधों के खिलाफ थे।
    - वह जम्मू-कश्मीर राज्य के **भारतीय संघ** में पूर्ण एकीकरण के पक्ष में थे।
- **मृत्यु:**
  - जून 1953 में कश्मीर को दिये गए **विशेष दर्जे के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते समय** हिरासत में रहने के दौरान रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी **मृत्यु** हो गई।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/death-anniversary-of-dr-syama-prasad-mukherjee